# अस्मिता कार्यक्रम में उभरी महिला रचनाकारों की प्रभावशाली आवाज

जासं, नई दिल्ली : साहित्य अकादमी की ओर से महिला रचनाकारों के लिए अस्मिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें तीन प्रमुख लेखिकाओं ने अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत युवा लेखिका अनामिका अनु की कहानी 'येनपक कथा' से हुई। लेखिका ने नारी जीवन की कल्पना और यथार्थ के अदृश्य पहलुओं को छाते वाले पात्र के माध्यम से संवेदनशील रूप में प्रस्तुत किया।वहीं, दूसरी प्रस्तुति में रुचि मेहरोत्रा ने छह कविताएं सुनाईं, जिसमें मन का विश्वास, अनकही बातें, जिंदगी एक सहेली है और किश्ती है जिंदगी भी जैसी कविताएं शामिल रहीं। इन रचनाओं में जीवन के प्रति विभिन्न दृष्टिकोणों की गूंज सुनाई दी। कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति वरिष्ठ लेखिका अलका सिन्हा की कहानी पीपल, पुरखे और पुरानी हवेली रही। जिसमें उन्होंने सास-बहू के संबंधों के जरिये स्त्री चेतना, समाज और पर्यावरण के प्रति जागरूकता को संवेदनशीलता से रेखांकित किया। कार्यक्रम के अंत में श्रोताओं ने रचनाओं पर अपनी संक्षिप्त टिप्पणियां प्रस्तुत कीं।